



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 10 मार्च, 2007/19 फाल्गुन, 1928

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि० प्र०)

कारण बताओ नोटिस

धर्मशाला, 24 फरवरी, 2007

क्रमांक पी० सी० एच०-के० जी० आर०-ई (11) 23/91-4715-19. -खण्ड विकास अधिकारी, रैत ने अपने पत्र सं० 42, दिनांक 17-4-2006 के अन्तर्गत सूचित किया था कि श्रीमती उपमा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू, विकास खण्ड रैत द्वारा निर्माण पंचायत घर भितलू का कार्य सही ढंग से नहीं करवाया गया है। जिनमें निम्न त्रुटियां पाई गई हैं:-

1. यह कि उक्त भवन के स्लैब में सरिया आंशिक रूप से डाला गया है।
2. [उक्त स्लैब हेतु खरीद की गई बजरी की गुणवत्ता बहुत ही Poor थी।
3. तकनीकी मैनुअल के प्रावधान अनुसार स्लैब में 40 प्रतिशत कैंशर की बजरी का उपयोग होना अनिवार्य था जो मौका पर नहीं किया जा रहा था।

यह कि इस कार्यालय द्वारा अधिशाषी अभियन्ता, ग्रामीण विकास विभाग, कांगड़ा स्थित धर्मशाला के माध्यम से पुनः इस निर्माण कार्य का निरीक्षण करवाया गया जिसको रिपोर्ट अनुसार भी उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि होती है।

यह कि उपरोक्त कृत्य के लिए इस कार्यालय के पत्र संख्या 2684, दिनांक 20-10-2006 के अन्तर्गत प्रधान, ग्राम पंचायत को अपना स्पष्टीकरण देने हेतु लिखा गया जिसका उत्तर प्रधान से प्राप्त हुआ जो अवलोकन करने पर तथ्यों के प्रतिकूल पाया गया।

अतः हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 145 (1) (सी) जिसे हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 142 (1) (क) के साथ पढ़ा जाये, के अन्तर्गत मैं, चैन सिंह पुनिया, जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, श्रीमती उपमा देवी प्रधान ग्राम पंचायत भितलू, विकास खण्ड रैत को कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ कि क्यों न उपरोक्त कृत्य के लिये आपको प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू के पद में निलम्बित कर दिया जाये। आपका उत्तर इस नोटिस के जारी होने की तिथि के 15 दिन के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी रैत के माध्यम से इस कार्यालय में प्राप्त होना चाहिये अन्यथा यह समझा जायेगा कि आपको अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

संलग्न दोषारोपण सूची।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

अनुसूची-1

अभिकथन जिनके अन्तर्गत श्रीमती उपमा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू, विकास खण्ड रैत, जिला कांगड़ा के विरुद्ध आरोप पत्र अधिरोपित किया गया :-

क्योंकि प्रधान ग्राम पंचायत भितलू द्वारा निर्माण पंचायत घर भितलू का कार्य सही ढंग से नहीं करवाया गया जिसमें निम्न त्रुटियाँ पाई गई :-

1. यह कि उक्त भवन के स्लैब में सरिया आंशिक रूप से डाला गया है।
2. उक्त स्लैब हेतु खरीद की गई बजरी की गुणवत्ता बहुत ही Poor थी।
3. तकनीकी मैनुअल के प्रावधान अनुसार स्लैब में 40 प्रतिशत क्रैशर की बजरी का उपयोग होना अनिवार्य था जो मौका पर नहीं किया जा रहा था।

अतः प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू, विकास खण्ड रैत का यह कृत्य हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (1) (सी) जिसे हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियमावली, 1997 के नियम 142 (1) (क) के अन्तर्गत पढ़ा जाये, कार्यवाही की जानी वांछित है।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

अनुसूची-2

अभिकथन जिनके अन्तर्गत श्रीमती उपमा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू, विकास खण्ड रैत, जिला कांगड़ा के विरुद्ध आरोप सत्य सिद्ध होते हैं :-

यह कि श्रीमती उपमा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू, विकास खण्ड रैत द्वारा किये गये कृत्य का खण्ड विकास अधिकारी, रैत द्वारा कनिष्ठ अभियन्ता के साथ निरीक्षण किया गया जिस अनुसार पाया गया कि प्रधान ग्राम पंचायत द्वारा उक्त निर्माण कार्य सही ढंग से नहीं करवाया गया है।

यह कि अधिशाषी अभियन्ता, ग्रामीण विकास विभाग, कांगड़ा स्थित धर्मशाला के माध्यम से पुनः इस निर्माण कार्य का निरीक्षण करवाया गया जिसकी रिपोर्ट अनुसार भी उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि होती है।

अतः उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू द्वारा अपने पद व शक्तियों का दुरुपयोग किया गया है जिस कारण उनके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (1) (सी) जिसे हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियमावली, 1997 के नियम 142 (1) (क) के अन्तर्गत पढ़ा जाये, कार्यवाही की जानी वांछित है।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

अनुसूची-3

उन दस्तावेजों की सूची जिनके अन्तर्गत श्रीमती उपमा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू, विकास खण्ड रैत, जिला कांगड़ा के विरुद्ध आरोप सत्य सिद्ध होते हैं :-

1. खण्ड विकास अधिकारी, रैत, जिला कांगड़ा से प्राप्त पत्र संख्या : 42, दिनांक 17-4-2006।
2. अधिशाषी अभियन्ता, ग्रामीण विकास विभाग, कांगड़ा स्थित धर्मशाला से प्राप्त निरीक्षण रिपोर्ट संख्या 367, दिनांक 1-9-2006. .

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

अनुसूची-4

उन गवाहों की सूची जिसके अन्तर्गत श्रीमती उपमा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत भितलू, विकास खण्ड रैत, जिला कांगड़ा के विरुद्ध आरोप सत्य सिद्ध होते हैं :-

1. खण्ड विकास अधिकारी, रैत, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।
2. अधिशाषी अभियन्ता, ग्रामीण विकास विभाग, कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

**OFFICE OF ADDITIONAL DISTRICT MAGISTRATE, DISTRICT SIRMAUR AT NAHAN
HIMACHAL PRADESH****OFFICE ORDER**

Nahan, the 22nd February, 2007

No. APMC-ES-4/PTA/98-1541.—In exercise of the power conferred upon me *vide* under "Section 35" of the Himachal Pradesh Agricultural and Horticultural Produce Marketing (Development and Regulation) Act 2005 (Act No. 20 of 2005) and "Rule No. 27" of Himachal Pradesh Agricultural Produce Market Rules, 1971, as authorised by the Deputy Commissioner, Sirmaur District, Nahan (H. P.), I do hereby declare Shri Mitter Singh Tomar, r/o Koti Dhiman, Tehsil Renukaji, District Sirmaur (H. P.) Producer Member, elected as Chairman, Agricultural Produce Market Committee Sirmaur at Paonta Sahib, w. e. f. 6-2-2007 till further term.

RAKHIN KAHLOH,
*Additional District Magistrate-cum-
Presiding Officer, Sirmaur at Nahan (H. P.).*